Roll No. ..... Total Pages: 04

2152

B.A. SECOND YEAR EXAMINATION, 2019

SANSKRIT

Paper – II

प्राचीन भारतीय संस्कृति, धर्मशास्त्र, व्याकरण, अनुवाद एवं निबंध

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

Q.1 अधोलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(i) पंचयज्ञ कौन–कौन से हैं? नाम लिखिए।

(ii) चार पुरुषार्थों के नाम लिखिए।

(iii) वृद्ध जनों को नित्य प्रणाम और सेवा करने से क्या प्राप्त होता है?

(iv) सावित्री (गायत्री) से वंचित किशोरों को क्या कहा गया है?

(v) 'आशीर्वादः' पद की ससूत्र सन्धि कीजिए।

(vi) 'भूभृत्' शब्द के पंचमी विभक्ति के तीनों रूप लिखिए।

(vii) संस्कृत में अनुवाद कीजिए– ''संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है।''

(viii) संस्कृत में अनुवाद कीजिए– ''सत्य बोलो, धर्म का आचरण करो।''

(ix) महाकवि भास के विषय में दो वाक्य संस्कृत में लिखिये।

(x) विद्या महिमा के विषय में दो वाक्य संस्कृत में लिखिये।

खण्ड– ब

इकाई – I

Q.2 भारतीय संस्कृति में वर्णित सोलह संस्कारों का संक्षेप में विवेचन कीजिए।

अथवा

Q.3 प्राचीन भारतीय शिक्षा केन्द्रों का वर्णन कीजिये।

इकाई – II

Q.4 अधोलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :–

श्रुतिस्तु वेदो विज्ञेयो धर्मशास्त्रं तु वै स्मृतिः।
ते सर्वार्थेष्वमीमांस्ये ताभ्यां धर्मो हि निर्बभौ।।

अथवा

Q.5 अधोलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : –

इन्द्रियाणां तु सर्वेषां यद्येकं क्षरतीन्द्रियम।
तेनास्य क्षरति प्रज्ञा दृतेः पात्रादिवोदकम्।।

इकाई – III

Q.6 अधोलिखित सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए : –

(क) झलां जशोऽन्ते

(ख) विसर्जनीयस्य स

अथवा

Q.7 अधोलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–

(क) तोर्लि

(ख) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा

इकाई – IV

Q.8 निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :–

(i) स्वच्छता के बिना जीवन नरक है।

(ii) विद्या विनय देती है, विनय से योग्यता आती है।

(iii) गाँव के चारों ओर वृक्ष हैं।

(iv) भारत एक कृषि प्रधान देश है।

(v) परिश्रम के बिना सफलता नहीं है।

(vi) क्षमा वीरपुरुष का आभूषण है।

(vii) वृक्षों से ही पर्यावरण की रक्षा होती है।

(viii) तुम्हारा अधिकार कर्म में ही है, फलों में कभी नहीं।

(ix) जीवन कौशल की शिक्षा आवश्यक है।

(x) अहिंसा परम धर्म है।

इकाई – V

Q.9 निम्न में से किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में लेख लिखिएः–

(i) परोपकारः

(ii) विद्याविहीनः पशुः

(iii) उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मीः

खण्ड – स

Q.10 भारतीय संस्कृति की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Q.11 मनुस्मृति द्वितीय अध्याय में वर्णित ब्रह्मचारियों के कर्त्तव्यों का विवेचन कीजिए।

Q.12 (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों के विभक्ति , वचन और लिंग का निर्धारण कीजिए :

(i) सुधीभिः (ii) मघोनाम्

(iii) वेधोभ्य (iv) चक्षूंषि

(v) धनुषी (vi) पतिषु

(vii) नरः (viii) पुमांसः

(ix) अहानि (x) पयसाम्

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच धातुओं के लकार और पुरुष के रूप लिखिए :–

(i) तन् – लट् लकार, प्रथम पुरुष

(ii) चिन्त् – लङ् लकार, प्रथम पुरुष

(iii) स्तु – लृट लकार, उत्तम पुरुष

(iv) स्था – लट् लकार, मध्यम पुरुष

(v) स्तु – लृट लकार, मध्यम पुरुष

(vi) ग्रह् – विधिलिंग, प्रथम पुरुष

(vii) जन् – लट् लकार, प्रथम पुरुष

(viii) यत् – लट् लकार, उत्तम पुरुष

(ix) क्री – लृट लकार, प्रथम पुरुष

(x) चि – लट् लकार, प्रथम पुरुष

Q.13 संस्कृत में अनुवाद कीजिए :–

राजस्थान त्याग और तप की धरा है। इसके कण–कण में जय जय राजस्थान की गूंज विद्यमान है। मेवाड़ और मारवाड़ का इतिहास विश्वप्रसिद्ध है। विश्व के अनेक पर्यटक इसके सौन्दर्य को देखने आते हैं। राजस्थानी कवि कन्हैयालाल सेठिया विरचित एक गीत में राजस्थान के शौर्य और पराक्रम का अद्‌भुत गुणगान हुआ है।

Q.14 संस्कृत में निबन्ध लिखिए :

संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्

अथवा

महाकवि कालिदासः